



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 76 ]  
No. 76]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 3, 2000/माघ 14, 1921  
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 3, 2000/MAGHA 14, 1921

विधि, न्याय और कानूनी कार्य मंत्रालय  
(विधायी विभाग)  
शुद्धि पत्र  
नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2000

का. आ. 104 (अ).—भारत सरकार के विधि, न्याय एवं कानूनी कार्य मंत्रालय, विधायी विभाग की अधिसूचना संख्या का.आ. 85(अ), दिनांक 30 जनवरी, 2000, जो भारत के राजपत्र, असाधारण भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में दिनांक 30 जनवरी, 2000 को प्रकाशित की गई—की पंक्ति 6 में “पूर्वाहन” के स्थान पर “अपराहन” पढ़ा जाए।

[सं. ए. 12026/12/96-प्रशा. I (वि.वि.)]

एन.एल. मीना, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS  
(Legislative Department)  
CORRIGENDUM

New Delhi, the 3rd February, 2000

S.O. 104(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Legislative Department, No. S.O. 85(E), dated the 30th January, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 30th January, 2000, in line 6, for the word “forenoon” read “afternoon”.

[No. A 12026/12/96-Admn. I(L.D.)]

N L MEENA, Jr. Secy

